प्रेस विज्ञप्ति

मधुमेह नियंत्रित भारत अभियान के प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत
योग एवं ध्यानविधि से ही मिलेगी बीमारियों से मुक्ति- डा॰ नागेन्द्र
मधुमेह का मूल कारण तनाव
22 नवम्बर 2016 गुरूग्राम

मधुमेह का सबसे बड़ा कारण तनाव है। तनाव से इसके हार्मोन्स् बढ़ते हैं। अगर हम योगा और ध्यान को अपने जीवन का आधार बना दें तो अनेक बीमारियों से स्वत: ही मुक्त हो सकते हैं। **उक्त विचार स्वामी विवेकानन्द योगा अनुसंधान संस्थान के उप-कुलपति, डा॰ नागेन्द्र ने ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शान्ति रिट्रीट सेन्टर में 21-25 नवम्बर तक भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम 'मधुमेह नियंत्रित भारत अभियान'** विषय पर कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि मात्र भौतिक ज्ञान के आधार से हम बीमारियों को ठीक नहीं कर सकते। इसके लिए हमें स्वयं के भीतर जाना पड़ेगा क्योंकि ज्यादातर बीमारियां सबसे पहले मन से शुरू होती हैं। डा॰ नागेन्द्र ने कहा कि मैंने बहुत वर्षों के अनुसंधान से पाया कि योगा और ध्यान से हम कैंसर जैसी भयानक बीमारी से भी मुक्ति पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस भौतिक जगत के प्रभाव में आने से हम अपने मूल स्वरूप को भूल गये हैं। बाहरी जगत के अलावा भी एक भीतरी जगत है, जिससे हम अनविज्ञ रहते हैं। जब हम अपने भीतर जाते हैं तभी हमें बीमारी का असली कारण समझ में आता है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य भारत को मधुमेह मुक्त बनाना है। शहरों और गाँवों में जाकर 9-9 दिन के शिविर लगाकर लोगों को मधुमेह से लड़ने के लिए जागरूक किया जाएगा। इस कार्यक्रम का समापन 22 जून 2017 को होगा। 21 जून 2017 को योग दिवस पर कार्यक्रम की अन्तिम रिपोर्ट पेश की जाएगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर ये दूसरा प्रशिक्षण कार्यक्रम है। **इस अवसर पर विशेष रूप से कार्यक्रम के प्रति अपने आर्शीवचन देते हुए ओआरसी की निदेशिका आशा दीदी ने** कहा कि हमें इस बात की बहुत खुशी है कि भारत सरकार इस प्रकार के आयोजनों से आम आदमी को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर रही है। उन्होंने कहा कि ओआरसी में इस कार्यक्रम का होना हमारे लिए बड़ी सौभाग्य की बात है। ऐसे सुन्दर वातावरण में जहाँ पर ज्ञान और योग के शक्तिशाली प्रकम्पन्न चारों ओर प्रवाहित हों, कार्यक्रम की सफ्लता सुनिश्चित करता है। **केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के निदेशक डा॰ ईश्वर आचार्य ने** कार्यक्रम के प्रति अपनी शुभ-कामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से लोगों के अन्दर योग के प्रति अधिक से अधिक जिज्ञासा पैदा होगी। **दिल्ली, अखिल भारतीय चिकित्सा संस्थान के डा॰ हेमन्त ने** अपने शब्दों के द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन **एसवीवाइएएसए की सहायक प्रोफेसर डा॰ गायत्री ने** किया। देशभर से काफी संख्या में प्रशिक्षु इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए हैं।

कैप्शन:1. डा॰ नागेन्द्र, उप-कुलपति, स्वामी विवेकानन्द योगा अनुसंधान संस्थान(एसवीवाइएएसए), बैंगलुरू

2. डा॰ ईश्वर आचार्य, निदेशक, केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद(सीसीआरवाइएन)
3. आशा दीदी
4. दीप प्रज्ज्वलित करते हुए दाएं से डा॰ ईश्वर आचार्य, डा॰ नागेन्द्र, आशा दीदी, डा॰ हेमन्त, एवं अन्य।